

नईदुनिया



एशियन पैरा गेम्स में स्वाति चौधरी ने बढ़ाया यूपी का मान, मुख्यमंत्री योगी ने दी बधाई

युवाओं को सपने साकार करने के लिए प्रेरित करेगी स्वाति की सफलता - मुख्यमंत्री
75 जिलों में खेलो इंडिया सेंटर, पांच स्पोर्ट्स कालेजों से प्रतिभागों को मिल रहा प्रशिक्षण

लखनऊ

एशियन पैरा गेम्स 2026 में तीरंदाजी की महिला W1 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली उत्तर प्रदेश की बेटी स्वाति चौधरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर उनकी उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि स्वाति की सफलता भारत के अनगिनत युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

स्वाति चौधरी की उपलब्धि पर सीएम योगी ने बताया गर्व – मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को आप (स्वाति चौधरी) पर गर्व है। उन्होंने स्वाति के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। वहीं योगी सरकार के कार्यकाल में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। सरकार ने खेल प्रतिभागों को निखारने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाओं, आर्थिक सहायता, पुरस्कार और सरकारी नौकरी तक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल माहौल देना है।

स्पोर्ट्स कालेजों और खेल

विश्वविद्यालय से मजबूत हुआ प्रशिक्षण ढांचा – प्रदेश में स्टेडियम, बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल, स्विमिंग पूल और सिंथेटिक कोर्ट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। एक जनपद-एक खेल योजना के तहत सभी 75 जिलों में खेलो इंडिया सेंटर स्वीकृत किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभागों को प्रशिक्षण, खेल किट और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था है।

खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर में पांच स्पोर्ट्स कालेज संचालित हैं। यहां 14 खेलों में प्रशिक्षण के साथ खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा मिलती है। वहीं मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय

की स्थापना खेल शिक्षा और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण को नई दिशा देने की पहल है।
पदक पर करोड़ों का पुरस्कार, नौकरी के अवसर – योगी सरकार ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सम्मान देने के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की है। ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़, रजत पदक पर चार करोड़ और कांस्य पदक पर दो करोड़ रुपये देने का प्रावधान है। लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कारों के जरिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाता है। खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में अवसर बढ़ाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए राजपत्रित पदों पर नियुक्ति का प्रावधान है।

न्यूज़ ब्रीफ

अनाहत सिंह का बड़ा उलटफेर, आठ बार की विश्व चैंपियन नूर एल शेरबिनी को हराया, क्वाटर फाइनल में पहुंची 18 वर्षीय अनाहत, अब सलमा हानी से होगा सामना

रेडवुड सिटी। भारत की युवा स्वर्ण खिलाली अनाहत सिंह ने सिलिकान वैली ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए आठ बार की विश्व चैंपियन मिस् की नूर एल शेरबिनी को हराकर क्वाटर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गुरुवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में 18 वर्षीय अनाहत ने दुनिया की तीसरे नंबर की और शीर्ष वरीयता प्राप्त शेरबिनी को सीधे गेमों में 11-8, 11-8, 11-7 से हराया। मुकाबला 30 मिनट तक चला। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज अनाहत के करियर की यह सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। हाल ही में एशियाई खेलों में एकल स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ी ने इस प्रदर्शन से अपनी क्षमता का एक बार फिर परिचय दिया। एक लाख 43 हजार 500 अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि वाले पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट के क्वाटर फाइनल में अब अनाहत का सामना मिस् की सलमा हानी से होगा। हानी विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं। अनाहत ने इससे पहले मिस् की नूर अबुलनकरिम को सीधे गेमों में हराकर टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत की थी। अब शेरबिनी जैसी अनुभवी और दिग्गज खिलाड़ी को मात देकर उन्होंने खिताब की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

पंजाब में हाकी का महाकुंभ: घर वापसी का भावनात्मक अवसर



जालंधर। अगले सप्ताह से भारतीय हाकी के कई सितारे यहां होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में खेलते दिखेंगे। जालंधर और मोहाली में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, मदीप सिंह, जरमनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और कृष्ण बहादुर पाठक जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी अपने घरलू मैदान पर खेलते दिखेंगे। यह उनके लिए सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अपने जड़ों से जुड़ने और उस मैदानों पर खेलने का एक भावनात्मक अवसर है, जहाँ से उन्होंने शुरुआत की थी। जालंधर स्थित सुरजीत हाकी अकादमी का मैदान इन खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। यहीं पर इनमें से कई सितारों ने अपने करियर की शुरुआत की रखी और बड़े सपने देखने का साहस जुटाया। इसी को देखते हुए अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने इस अवसर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलना उनके लिए बेहद भावुक क्षण होगा। उन्होंने बताया, सुरजीत हाकी अकादमी में बिताए समय ने हमें सिर्फ हाकी खेलना ही नहीं सिखाया, बल्कि हमें बड़े सपने देखने की हिम्मत भी दी।

एशियाई पैरा खेल: स्वाति चौधरी ने महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत तीरंदाजी में जीता रजत

आइवी-नागोया। भारतीय तीरंदाज स्वाति चौधरी ने एशियाई पैरा खेल-2026 में महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत स्पर्धा में



रजत पदक जीता। गुरुवार को खेले गए फाइनल में उन्हें चीन की मंगकान सेन के खिलाफ 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। इस पदक के साथ ही प्रतियोगिता में भारत के कुल पदकों की संख्या 63 हो गई। चौथे दिन भारत का यह पहला पदक रहा। फाइनल में स्वाति ने शानदार शुरुआत करते हुए तीन चरणों के बाद 4-2 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, चीन की तीरंदाज ने वापसी करते हुए मुकाबला 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस तरह स्वाति को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उनके पास भारत के लिए इस प्रतियोगिता में तीरंदाजी का पहला स्वर्ण पदक जीतने का अवसर था। भारत के अब तक के 63 पदकों में 14 स्वर्ण, 22 रजत और 27 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता के तीसरे दिन भारत पदक तालिका में छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचा था। मेरठ में करती हैं अभ्यास उत्तर प्रदेश के मेरठ की रहने वाली 37 वर्षीय स्वाति चौधरी पैरा तीरंदाजी की डब्ल्यू-1 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करती हैं। इस श्रेणी में ऐसे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, जिनके हाथों और पैरों में गंभीर शारीरिक दिव्यांगता होती है। स्वाति मेरठ की गुरुकुल तीरंदाजी अकादमी में कोच सत्यदेव प्रसाद के मार्गदर्शन में अभ्यास करती हैं। सीमित आर्थिक सहयोग के बावजूद स्वाति ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन से अपनी पहचान बनाई है। बैकाम में 2026 में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में उन्होंने महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में तीन रजत पदक जीते थे। इसके अलावा, उन्होंने 2025 की राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप और खेलो इंडिया पैरा खेलों में महिला डब्ल्यू-1 स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

एशियाई पैरा खेल : शीतल देवी ने व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में भी जीता स्वर्ण

सिंगापुर की नूर अलीम स्याहिदा को 142-139 से हराया
दो स्वर्ण और एक रजत के साथ अभियान समाप्त किया

आइवी-नागोया

भारत की स्टार पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने एशियाई पैरा खेलों में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने स्वर्ण पदक के मुकाबले में सिंगापुर की नूर अलीम स्याहिदा को 142-139 से हराया। इस जीत के साथ शीतल ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। इससे पहले शीतल ने तोमन कुमार के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम तीरंदाजी स्पर्धा का स्वर्ण जीता था। इसके अलावा पायल नाग के साथ रजत पदक पर कब्जा किया था।



भारतीय तीरंदाजी को गौरवान्वित किया। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ की रहने वाली शीतल देवी जन्म से ही दोनों हाथों के बिना हैं। इसके बावजूद उन्होंने अपनी शारीरिक चुनौती को सफलता की राह में बाधा नहीं बनने दिया। वह पैरों और दांतों की मदद से धनुष को संभालती हैं और कंधे तथा जबड़े के सहारे प्रत्यंचा खींचकर निशाना साधती हैं। उनकी असाधारण तकनीक ने उन्हें विश्व तीरंदाजी में विशिष्ट पहचान दिलाई है।

शीतल ने वर्ष 2023 में विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली बिना हाथों की दुनिया की पहली महिला तीरंदाज बनीं। उन्हें वर्ष 2023 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्व तीरंदाजी ने उन्हें दो बार वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज भी चुना है। वर्ष 2024 के पेरिस पैरालंपिक में उन्होंने मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। वर्ष 2025 की विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में भी उन्होंने महिला कंपाउंड ओपन स्पर्धा का स्वर्ण और महिला टीम स्पर्धा का रजत पदक हासिल किया। भारत पदक तालिका में 73 पदकों (17 स्वर्ण, 22 रजत और 34 कांस्य) के साथ पांचवें स्थान पर है।

माविना पटेल और शुभम वाधवा ने जीता कांस्य पदक

आइवी-नागोया। भारत की भाविना पटेल और शुभम वाधवा ने एशियाई पैरा खेलों की पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में मिश्रित युगल वर्ग एक्सडी-7 में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के येओगजिन जोंग और मियू ली के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद भाविना और शुभम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने 11-6, 8-11, 11-5, 11-9 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया, लेकिन अगले दोनों गेम गंवाने के कारण उसे फाइनल में पहुंचने का मौका नहीं मिला। आइवी-नागोया में यह भारत का पैरा टेबल टेनिस की युगल स्पर्धाओं में पहला पदक है। वहीं, इस प्रतियोगिता के मौजूदा संस्करण में टेबल टेनिस में भारत का यह छठा पदक है। भाविना का इन खेलों में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिला एकल वर्ग 4-5 में कांस्य पदक जीता था। इस पदक के साथ भारत की कुल पदक संख्या 73 हो गई है। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 17 स्वर्ण, 22 रजत और 34 कांस्य पदक जीते हैं।



अंडर-15 इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में पांच टीमों की जीत



भोपाल। भोपाल संभाग क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित अंडर-15 इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में सिली पॉइंट, कैप एकेडमी, एनसीसीसी, होप क्रिकेट एकेडमी और ओएफसीए एकेडमी ने अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। डीपीएस ग्राउंड पर सिली पॉइंट ने भोपाल लेपर्ड्स को पांच विकेट से हराया। भोपाल लेपर्ड्स ने 143 रन बनाए, जवाब में सिली पॉइंट ने 40 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। युग रघुवंशी ने तीन विकेट लेने के बाद 70 रन बनाए। कैप ग्राउंड पर कैप एकेडमी ने बिल्टअप स्पोर्ट्स को 165 रन से शिकस्त दी। कैप

के 187 रन के जवाब में बिल्टअप की टीम 22 रन पर सिमट गई। अनंत पाटीदार ने आठ विकेट झटकें। संचुरियन क्रिकेट ग्राउंड पर एनसीसीसी ने फेंथ क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराया। शिवांक जोशी ने पांच विकेट लिए। बाबे अली मैदान पर होप एकेडमी ने एस (एस) को चार विकेट से मात दी; यश ज्यानी ने 48 रन बनाए। ओएफसीए ग्राउंड पर मेजबान एकेडमी ने ग्रैविटॉन को 23 रन से हराया। मैचों से पहले वरिष्ठ क्रिकेटर और भोपाल लेपर्ड अकादमी के संचालक अभिषेक मोहन गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

एशियाई पैरा खेल : सुवर्णा राज ने जीता स्वर्ण, भारत को दो और कांस्य पदक

आइवी-नागोया

भारतीय पैरा एथलीट सुवर्णा राज ने एशियाई पैरा खेल-2026 में गुरुवार को महिला चक्का फेंक की एफ-54 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दिन का पहला स्वर्ण दिलाया। उन्होंने 15.66 मीटर की दूरी तय कर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, पैरा बैडमिंटन में मनीषा रामदास और प्रमोद भगत की जोड़ी के साथ कृष्णा नागर और नित्या श्री ने भी कांस्य पदक जीते। इन पदकों के साथ भारत की पदक संख्या बढ़कर 66 हो गई है।

चक्का फेंक में सुवर्णा ने 15.66 मीटर के प्रयास से हासिल किया पहला स्थान

पैरा बैडमिंटन में मनीषा रामदास-प्रमोद भगत और कृष्णा नागर-नित्या श्री को कांस्य

छह खिलाड़ियों के बीच हुई चक्का फेंक स्पर्धा में सुवर्णा ने अपने छह प्रयासों में से चार बार चक्का 15 मीटर से अधिक दूर फेंका। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पांचवें प्रयास में आया। ईरान की शाहला हदीदी ने 15.45 मीटर के प्रयास से रजत, जबकि वियतनाम की गुयेन थी नोक् थुई ने 14.65 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। सुवर्णा उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा की रहने वाली हैं और एफ-54 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करती हैं। वर्ष 2017 से खेलों में सक्रिय सुवर्णा तीन एशियाई पैरा खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।



वर्ष 2026 में आस्ट्रेलिया के केनबरा में आयोजित ट्रेक मीट में उन्होंने चक्का फेंक में स्वर्ण और गोला फेंक में रजत पदक जीता था। दुबई में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रांप्री में भी उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया था।
मनीषा और प्रमोद को मिश्रित युगल में कांस्य
पैरा बैडमिंटन की मिश्रित युगल एसएल-3-



पदक हासिल किया। एशियाई पैरा खेलों में अपने पहले ही अभियान में पदक जीतना संजना के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सुहास यतिराज को रोमांचक मुकाबले के बाद कांस्य

पुरुष एकल एसएल-4 के सेमीफाइनल में भारत के सुहास लालिनाकरे यतिराज को इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान से कड़े मुकाबले में हार मिली। सुहास ने पहला गेम 21-23 से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार वापसी करते

हुए 21-8 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया।

तीसरे गेम में मुकाबला 11 अंक तक बराबरी का रहा, लेकिन इसके बाद इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बढ़त बनाते हुए 21-23, 21-8, 15-21 से मैच जीत लिया। इस हार के साथ सुहास को कांस्य पदक मिला।

नवीन फाइनल में, अभिजीत को कांस्य

पुरुष एकल एसएल-4 के दूसरे सेमीफाइनल में भारत के नवीन शिवकुमार ने हमवतन अभिजीत सुखीजा को सीधे गेमों में हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दबाव के क्षणों में संयम बनाए रखते हुए नवीन ने अहम अंकों पर बेहतर प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक की ओर एक कदम बढ़ाया।

एशियाई पैरा खेलों में पदार्पण कर रहे नवीन ने फाइनल में जगह बनाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। वहीं, सेमीफाइनल में हार के बाद अभिजीत सुखीजा को कांस्य पदक मिला। इस तरह भारतीय खिलाड़ियों ने पैरा बैडमिंटन में तीन और पदक अपने नाम किए, जबकि नवीन के पास अब स्वर्ण जीतने का अवसर है।

स्वाति चौधरी ने जीता रजत

इससे पहले भारतीय तीरंदाज स्वाति चौधरी ने महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता। फाइनल में उन्हें चीन की मंगकान सेन ने 6-4 से हराया। स्वाति ने मुकाबले में 4-2 की बढ़त बनाई थी, लेकिन चीनी तीरंदाज ने वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया।

गुरुवार को सुवर्णा राज के स्वर्ण, स्वाति चौधरी के रजत और पैरा बैडमिंटन में दोनों जोड़ियों के कांस्य पदक सहित भारत की पदक संख्या 66 हो गई है। खबर लिखे जाने तक भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 15 स्वर्ण, 22 रजत और 29 कांस्य पदक जीते हैं।